ए.एस.एम.ई. के कार्यकारी दोपहर भोज के अवसर पर प्रधानमंत्री का हस्तक्षेप

25 अक्तूबर, 2008

हम लोगों के बीच अत्यंत उपयोगी चर्चा हुई। हम लोगों के बीच इस बात पर पूर्ण सहमति थी कि ए.एस.ई.एम. वैश्विक मुद्दों के समाधान हेतु एक शक्तिशाली मंच है।

सहस्त्राब्दि लक्ष्यों (एम.डी.जी.) के संबंध में हम सब सहमत हैं। परंतु वैश्विक वित्तीय संकट से जुड़े मुद्दों की चिंता के कारण हमें सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के अपने लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए।

सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2015 तक का समय निर्धारित किया गया है और वर्ष 2008 का आधा समय बीत चुका है तथापि जिस प्रकार से काम आगे बढ़ रहा है हममें से कम ही लोग विश्वास करेंगे कि इन लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकेगा। एक सहभागी ने इस प्रयोजनार्थ अपेक्षित राशि का उल्लेख किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव केवल 16 बिलियन अमरीकी डालर की वचनबद्धता सुनिश्चित करने में ही समर्थ हो पाए हैं। यह हमारे असमान विश्व को परिलक्षित करता है।

हमें सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के संबंध में चिंता करनी चाहिए जिसके लिए और भी सक्रिय प्रयासों की आवश्यकता पड़ेगी। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफलता पर 2015 के बाद में चर्चा करने की बजाए यदि हमें वर्ष 2015 तक इन लक्ष्यों को प्राप्त करना है, तो इसके लिए और अधिक ऊर्जा से काम करने की आवश्यकता है।

*****